

बच्चों के लिए समय

विषय सूचि

| | |
|---|----|
| बेहतरीन फैसले लेना | 03 |
| क्या बच्चों को सचमुच माता व पिता दोनों की आवश्यकता होती है? | 07 |
| क्या माता पिता में से एक अधिक महत्वपूर्ण है? | 09 |
| कितना संपर्क बेहतरीन है? | 11 |
| क्या संपर्क सदा ही बच्चों के लिए अच्छा होता है? | 15 |
| मैं बच्चों से क्या कहूं? | 20 |
| परामर्श और सहायता | 24 |

बेहतरीन फैसले लेना

बच्चों का माता व पिता दोनों से संबंध रखने का अधिकार है। जब कभी कोई परिवार टूटता है तो बच्चों के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण होता है कि वे अपने माता व पिता दोनों से और परिवार के अन्य सदस्यों व रिश्तेदारों से संबंध रखें और उसे बढ़ाएं।

इन संबंधों को बनाए रखने के लिए बेहतरीन व्यवस्था होती है कि:

- बच्चों को किसी भी जारी पारिवारिक झगड़े से दूर और मुक्त रखा जाए, और
- उन के लिए लालन-पालन और देखभाल को सुनिश्चित किया जाए

बच्चों की आवश्यकताओं, उन के विचारों और उन की भावनाओं पर गौर करने के पश्चात, साधारणतया माता-पिता ही इस व्यवस्था के बारे में फैसला लेने के लिए बेहतरीन लोग होते हैं।

जब परिवार टूटते हैं तो माता-पिता कई बार संपर्क¹ के लिए समय को ले कर इतना चिंतित होते हैं कि बच्चों के साथ बिताने के इस समय के असली ध्येय को ही अनदेखा कर देते हैं।

¹ संपर्क शब्द उस व्यवस्था का ब्योरा देता है जिसे बच्चे के उस की माता या पिता या देखभाल करने वाले के साथ जारी संबंध बनाए रखने के लिए किया जाता है जब कि वह अब उन के साथ नहीं रहता है।

जिस किसी ने भी परिवार के टूटने को अनुभव किया है वही जानता है कि यह कितना मुश्किल हो सकता है। जब भावनाएं उफान पर हों तो शांत और तर्कशील रहना बहुत कठिन हो सकता है। अक्सर ऐसा लगता है कि आप के बीच बातचीत के संबंध पूरी तरह से टूट गए हैं और किसी भी बात पर सहमत होने की संभावना नहीं रही है। भले ही बच्चों के हित पर ध्यान केंद्रित करना आसान न हो, अधिकतर माता-पिता को लगता है कि अपने विरोधों को छोड़ कर और बच्चों के बारे में सोचने से कार्यशील व्यवस्था का रास्ता ढूंढा जा सकता है। आप के बच्चे आप से प्रेम करते हैं, आप पर आश्रित हैं और उन्हें इस समय आप द्वारा ध्यान और भरोसा दिए जाने की आवश्यकता पहले कभी से अधिक है। यह ज़रूरी है कि आप उन के भविष्य के लिए यथा संभव बेहतरीन फैसले लें।

इस गाइड को CAFCASS, the Children and Family Court Advisory and Support Service (CAFCASS, बाल व परिवार न्यायालय परामर्श और सहायता सेवा) ने लिखा है। यह माता-पिता, दादा-दादी नाना-नानी और उन देखभाल करने वालों के लिए है जो परिवार को टूटता हुआ देख रहे हैं और जिन्हें अपने बच्चों के भावी लालन-पालन के लिए कठिन फैसले लेने हैं। यह आप को आप के बच्चों के लिए व्यवस्था करने के बेहतरीन फैसले लेने में सहायता देने के लिए जानकारी देती है। यह आप को यह समझने में भी सहायक होगी कि CAFCASS के व्यावसायिक परिवारों को परामर्श देते समय और संबद्ध अदालतों को राय देते समय किस प्रकार का रास्ता अपनाते हैं। हम यह मानते हैं कि आप का इस जानकारी को प्राप्त करने का और यह जानने का कि व्यावसायिक आप के बच्चों के लिए इतने महत्व के मुद्दों पर कैसे विचार करते हैं, अधिकार है। हर एक अध्याय एक विशेष मुद्दे या विषय पर केंद्रित है जिन का, हमारे अनुभव के अनुसार, अलग होने के लिए अदालत जाने वाले परिवार अक्सर सामना करते हैं।

CAFCASS के बारे में

CAFCASS एक गैर-विभागीय सरकारी संस्था है जो अदालतों, सामाजिक सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य अधिकारियों और अन्य संस्थाओं से स्वतंत्र है। हमारे व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त हैं और उन्हें बच्चों और परिवारों के साथ काम करने का अनुभव है। वे परिवारों की सहायता करते हैं और अदालतों को बच्चों के कल्याण से संबद्ध मामलों पर परामर्श देते हैं।

हमारी भूमिका यह करने की है:

- बच्चों को प्रथम स्थान पर रखना और सुनिश्चित करना कि बच्चों के अधिकार, विचार और उन की आवश्यकताओं पर पारिवारिक झगड़ों और अदालती सुनवाई में ध्यान दिया जाता है।
- बच्चों के कल्याण और बाल सुरक्षा को बढ़ाना
- माता-पिता के अधिकार और ज़िम्मेदारियों को और दादा-दादी नाना-नानी और अन्य देखभाल करने वालों के अधिकारों को सम्मान देना
- बच्चों की देखभाल के लिए ज़िम्मेदार लोगों के बीच ताल-मेल को प्रोत्साहित करना।

हमारी कार्य-शैली हमारे अनुभव और समुचित प्रशिक्षण और संबद्ध अनुसंधान पर आधारित है। इस गाइड में आप अनुसंधान के कुछ संदर्भ देखेंगे जिन से हमें संपर्क के बारे में हमारे विचारों का विकास करने में सहायता मिली है।

परिवारों के साथ हमारा काम

आप हमारे इन के माध्यम से हम से संपर्क कर सकते हैं:

- **परिवारों के साथ सहायक काम** – जैसे कि 'तलाक के साथ जीना' कोर्स, या बिचोलगी सेवा, परामर्श सेवा, बाल संपर्क केंद्र या अन्य संस्थाओं के माध्यम से जो हमारी साथ भागीदारी में काम करती हैं।
- **विवाद समाधान सेवा** – अदालत जाने वाले परिवारों के लिए उपलब्ध, विवाद समाधान सेवा बच्चों, माता-पिता और देखभाल करने वालों की संपर्क व्यवस्था पर राजी होने में सहायता कर सकती है। हमारे व्यावसायिकों में से एक के साथ कई मीटिंगों द्वारा आप के बच्चों के लिए योजना बनाने में सहायता देने की पेशकश की जा सकती है। व्यावसायिक आप को आप के बच्चों की आवश्यकताओं और सुरक्षा के बारे में परामर्श दे सकता है। वे आप के बच्चों से मिलने की इच्छा व्यक्त कर सकते हैं या एक पारिवारिक मीटिंग के लिए सुझाव दे सकते हैं ताकि आप के बच्चों के विचार सुनें जाएं और उन पर ध्यान दिया जाए। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार विवाद समाधान के लिए व्यवस्थाएं अलग अलग हो सकती हैं और 75% तक मामलों का समाधान इसी तरह या किसी प्रकार की सहमति के रूप में होता है। ये सहमतियां या लालन-पालन की योजनाएं लचकदार और स्वैच्छा से हो सकती हैं या अदालती आदेशों के आधार पर बन सकती हैं। साधारणतया यही अच्छा रहता है कि कठिनाइयों को अदालत की महंगी और लंबी कार्रवाई के स्थान पर विवाद समाधान की प्रक्रिया के माध्यम से सुलझा लिया जाए।
- **आगे के काम** – यदि अदालत CAFCASS को रिपोर्ट देने के लिए या आप के परिवार के साथ आगे काम करने के लिए आदेश देती है तो हमारे व्यावसायिकों में से एक आप से और आप के बच्चों से मिलने की व्यवस्था करने के लिए आप से संपर्क करेगा। हमारा काम पूछताछ करने और आप के परिवार के सदस्यों से चर्चा करने का है कि बच्चों के लिए क्या बेहतर होगा और फिर अदालत को उपयुक्त लालन-पालन की योजना के बारे में परामर्श देने का होता है। यदि आवश्यक हुआ तो अदालत तब सुनवाई की व्यवस्था करेगी और सभी के विचार जानने और उन से प्रश्न पूछने के पश्चात मजिस्ट्रेट या जज आदेश जारी करेंगे। यदि बच्चे की भलाई के लिए संपर्क की व्यवस्था में कठिनाइयां जारी रहती हैं तो Family Assistance Order (परिवार सहायता आदेश) द्वारा आगे सहायता या परामर्श देने की पेशकश की जा सकती है।

जिन्हें अधिक जानकारी, या वयस्कों, युवाओं और बच्चों के लिए हमारे छपाई योग्य लीफ़्लैट, केस अध्ययन या हमें प्रश्न भेजने के लिए ईमेल सुविधा चाहिए, वे हमारी वैबसाइट देख सकते हैं: www.cafcass.gov.uk

जानकारी और सहायता के अन्य स्रोतों के बारे जानकारी इस गाइड के अंत में दी गई है।

क्या बच्चों को सचमुच माता व पिता दोनों की आवश्यकता होती है?

CAFCASS को विश्वास है कि परिवार के टूटने के पश्चात बच्चे अधिक प्रसन्न और सफल हो सकते हैं यदि उन्हें माता व पिता दोनों और विस्तृत परिवार के अन्य सदस्यों से प्यार और देखभाल का मिलना जारी रहता है।

केवल ऐसी स्थिति को छोड़ कर जब संपर्क को रोकने के लिए या उसे सीमित करने के लिए उचित कारण हों, बच्चों को इस जारी देखभाल की आवश्यकता रहती है और उन का इस के लिए अधिकार है।

“... जो बच्चा अपने माता या पिता या दोनों से अलग हो चुका है, उस के अपने माता-पिता दोनों से नियमित रूप से निजी और सीधे संपर्क को जारी रखने के अधिकार का सम्मान करें।”

जब बच्चे किसी दबाव के बिना अपने विचार व्यक्त कर सकें तो अधिकतर अपने माता-पिता या अन्य किसी से भी जो उन के लिए महत्वपूर्ण है, संपर्क तोड़ना नहीं चाहेंगे। बच्चों का पारिवारिक जीवन के सम्मान का अधिकार है और अदालत के पास बच्चे के इस अधिकार को छीनने के लिए बहुत ही अच्छे कारण होने चाहिए। यह अधिकार *UN Convention on the Rights of the Child* के अनुच्छेद 9 में दर्ज है: (उपरोक्त उद्धरण देखें)।

बच्चों के लिए माता-पिता व अन्य के साथ संपर्क बनाए रखना इन कारणों से महत्वपूर्ण है:

- उन की मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति
- उन की खुशहाली, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान में सुधार
- उन की नस्ली, सांस्कृतिक, जीनी और मैडीकल पृष्ठभूमि साझा करने और समझने में सहायता
- पारिवारिक रिश्तों के बारे में विकृत विचारों को ठीक करने में सहायता
- सुनिश्चित करना के वे आराम में व सुरक्षित हैं
- उन के महत्वपूर्ण रिश्तों का आनंद उठाने के लिए उन्हें स्वतंत्रता देना।

बच्चे अपने संपर्क से बेहतरीन लाभ उठाते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए:

- बच्चों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना
- हर एक बच्चे की अलग आवश्यकताओं के लिए योजना बनाना
- बच्चों को जानकारी देना और उन की बात ध्यान से सुनना
- बच्चों को सुरक्षित रखना और यह कि वे सुरक्षित महसूस भी करते हैं
- सहमत होने और सहयोग देने के लिए कोशिश करना
- लालन-पालन के बारे में विभिन्न विचारों को स्थान देना
- संपर्क व्यवस्था के बारे में कल्पनाशील होना
- संपर्क की व्यवस्था करने में देर न करना
- सुनिश्चित करना कि बच्चे जानते हैं कि क्या आशा की जाए और उन्हें अचानक परिवर्तनों से बचाना जहां तक कि ऐसा करने से बचना मुश्किल न हो।

क्या माता पिता में से एक अधिक महत्वपूर्ण है?

माता व पिता, हर एक के साथ बच्चे के संबंध की गुणवत्ता महत्वपूर्ण हैं, ऐसा नहीं है कि वह माता के साथ हों या पिता के साथ हों। बच्चे अपने प्रदर्शन में बेहतर बन रहे हैं यदि उन के संबंध माता और पिता दोनों के साथ अच्छे हों।

बच्चों के लिए माता और पिता समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, परंतु, वयस्कों की तरह, बच्चे भी कभी एक व्यक्ति के मुकाबले दूसरे के अधिक नज़दीक महसूस कर सकते हैं। यह पसंद आयु और परिस्थितियों के साथ अक्सर बदल जाती है।

माता और पिता के बीच के विवाद को आसानी से जीत और हार के रूप में देखा जा सकता है। परिवार के टूटने के बारे में लोग जैसा सोचते हैं, उस पर समाचार पत्रों में, टेलीविज़न पर और विरोधी ग्रुप क्या कहते हैं, का भी प्रभाव पड़ सकता है। ये विचारधाराएं अक्सर सामान्य सी होती हैं और सदा संतुलित नहीं होती हैं।

कई पिता सोचते हैं कि अदालतें और CAFCASS व्यावसायिक माताओं के पक्ष और उन के विरोध में होते हैं। कुछ माताओं को यह विश्वास होता है अदालतें और व्यावसायिक पिताओं का पक्ष लेते हैं। माता और पिता का यह भी मत हो सकता है CAFCASS के व्यावसायिक हर एक बच्चे की परिस्थिति और आवश्यकताओं का आंकलन किए बिना संपर्क के मामले एक ही तरह से निपटाते हैं²।

हम सभी अलग हैं। परिवार का हर एक सदस्य अलग तरीके से देखभाल करता है और माता और पिता की लालन-पालन शैलियां अलग हो सकती हैं। बच्चों इन सभी विभिन्नताओं से लाभ होता है और व्यावसायिक इस बात को लंबे समय से पहचान गए हैं कि लालन-पालन में माता और पिता दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं³। ताज़ा अनुसंधान से पता चलता है कि माता और पिता शिशु के रोने पर एक समान ही चेतन होते हैं और दोनों ही शिशु की आवश्यकताओं को समान प्रभावशीलता से पूरा करते हैं⁴।

कुल मिला कर, इन दिनों पितृत्व के महत्वपूर्ण होने के बारे में अधिक सामान्य चेतना व्याप्त है और अनेक पिता अपने बच्चों के जीवन में पहले समय के मुकाबले अधिक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। यह बच्चों और उन के परिवार के लिए सकारात्मक और अच्छी बात है और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

² A Buchanan, J Hunt, H Bretherton and V Bream : “Families in Conflict, Perspectives of Children on the Family Court Welfare Service”. (2001), Nuffield Foundation, Policy Press

³ Professor Michael Rutter: “Maternal Deprivation Reassessed” (1972. Penguin Education

⁴ C Lewis and J Warin: “What Good are Dads?” (2001), Fathers Direct, NFPI, “Working with Men”, Newpin

कितना संपर्क बेहतरीन है?

संपर्क माता, पिता और परिवार के सदस्यों के बीच समय का बटवारा मात्र नहीं है। हमारा विश्वास है कि संपर्क को “बच्चों के लिए समय” मानना चाहिए और इस में समय की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आप का ध्यान अपने बच्चों की आवश्यकताओं को, जहां तक हो सके, पूरा करने पर होना चाहिए ताकि आप सुनिश्चित कर सकें कि उन का लालन-पालन बेहतरीन हो रहा है और उन का आप के साथ बिताया समय उन के लिए महत्व रखता है।

यह बहुत ही महत्व की बात है और इस ध्यान के बिना संपर्क आप के बच्चों के लिए विशेष लाभकारी नहीं रहता⁵।

⁵ J Hunt and C Roberts: “Child contact with non-resident parents”, Family Policy Briefings 3 (2004).
Department of Social Policy and Social Work, University of Oxford

आप के बच्चे के आप के साथ बिताए समय को मूल्यवान और अच्छी गुणवत्ता का बनाना सुनिश्चित करने के लिए आप का कोई महान पुरुष या महान स्त्री होना ज़रूरी नहीं है। अनुसंधान करने वालों और बच्चों ने स्वयं हमें बताया है कि 'गुणवत्ता' का संबंध बच्चों को सजीव, सकारात्मक और अधिकारपूर्ण देखभाल मिलने से है जिस के फलस्वरूप माता-पिता और देखभाल करने वालों के साथ महत्वपूर्ण रिश्ते बनते हैं⁶। बच्चे ही हमें बेहतरीन बता सकते हैं कि 'गुणवत्ता' का मतलब क्या है और उन के लिए क्या मूल्यवान है।

छः से ग्यारह वर्ष के 2,000 बच्चों के उन के पिता⁷ से संपर्क के बारे एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि उन के विचार में अच्छा संपर्क क्या है:

- पिता का उन की स्कूली शिक्षा में रुचि लेना
- खाना तैयार करना
- उन के साथ टीवी देखना
- फुटबाल खेलना
- कहानियां पढ़ कर उन्हें सुनाना
- साथ में दुकानदारी के लिए जाना और
- बुरे समय में उन की सहायता करना।

एक बच्चे ने इसे पिता की 'कमी महसूस करना' बताया, दूसरे ने पिता द्वारा प्यार किया जाना कहा। ऐसा नहीं लगता है कि वे संपर्क को महंगे खिलौने, साइकल, कंप्यूटर मिलने या सैर सपाटे पर जाने के अर्थों में लेते हैं, परंतु माता-पिता के साथ रिश्ता होने और उन के द्वारा 'देखभाल किए जाने' को मानते हैं। यही है जिस की बच्चों को आवश्यकता है और जिसे वे चाहते हैं और जिसे हम अच्छी गुणवत्ता के संपर्क के अर्थों में लेते हैं।

गुणवत्ता को लेकर एक कठिन बात भी है। यदि आप परिवार के टूटने के समय दुखी रहे हैं, तो यह काफी मुश्किल हो सकता है कि दूसरे साथी (माता या पिता) या देखभाल करने वाले को सहयोग दिया जा सके और उन की देखभाल करने की भूमिका को स्वीकार किया जा सके। संपर्क को सफल होने के लिए माता-पिता के बीच कुछ सहयोग होना आवश्यक है और आप के लिए यह भी ज़रूरी है कि बच्चों को दूसरे साथी (माता या पिता) और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति प्यार और सम्मान रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। अदालतों द्वारा आदेश किए जाने पर भी वे तभी बच्चों के लिए सफलता से काम कर सकते हैं जब वयस्कों के बीच सहयोग और परस्पर सम्मान हो।

⁶ रिश्तों के बारे विवेचन देखें: J B Kelly and M Lamb "Using Child Development Research to make appropriate Custody and Access Decisions for Young Children", Family and Conciliation Courts Review (Vol 38 No 3, July 2000 pp 297-311) Sage Publications Inc, USA

⁷ Fathers Direct, DIES & Children in Wales, "Day With Dad", FatherWork (Vol3 No 1, Summer 2004)

अपने बच्चे के अनुरूप योजना बनाना

हर एक परिवार अलग है और हर एक बच्चा भी। हर एक बच्चे के लिए योजना बनाने में आप के बच्चे की आवश्यकताओं और आप के परिवार की परिस्थिति के बारे में ध्यान दे कर फैसला करने की ज़रूरत है।

ध्यान देने योग्य कुछ बातें हैं:

- सोचें कि आप के बच्चों के लिए समय की व्यवस्था कैसे की जाए कि वे अपने संबंधों को बनाए रख सकें। और यह भी सुनिश्चित करना कि भविष्य में बच्चे आप दोनों से और अन्य माता या पिता से और परिवार के प्रमुख सदस्यों से बेहतरीन गुणवत्ता की देखभाल और लालन-पालन प्राप्त करते हैं। इस का अर्थ रात के लिए ठहरना, और बच्चों का माता और पिता के साथ (अलग से) छुट्टियों पर और सैर सपाटे के लिए जाना होता है।
- तीन साल से कम आयु के बच्चों के लिए बड़े बच्चों के मुकाबले में संपर्क बनाए रखना अधिक मुश्किल होता है, इस लिए इस आयु के बच्चों के लिए व्यवस्था करते समय विशेष ध्यान और संवेदनशीलता की आवश्यकता रहती है।
- आप के बच्चे के माता और पिता या देखभाल करने वाले के साथ मौजूदा संबंध कैसे हैं और भविष्य में इन संबंधों के विकास की संभावनाएं क्या होंगी, इन बातों पर विचार किया जाना चाहिए। हो सकता है कि आप के रहने की व्यवस्था और काम के कारण आप के बच्चों के साथ अब से पहले और जैसा चाहते थे उस से कम संबंध रहे हों। हो सकता है कि आप संपर्क की जिम्मेदारियों और आवश्यकताओं को पूरा करने के बारे में चिंतित हों। यह भी हो सकता है कि आप मां या बाप के साथ पहले कभी न रहे हों और इस लिए संपर्क का मतलब बच्चे के साथ नए सिरे से संबंध बनाने से, न कि उसे बनाए रखने से हो।
- परिवार के टूटने से पहले की बच्चों की दैनिक चर्या और गतिविधियों के बारे में विचार करें और जहां तक संभव हो, उन्हें बनाए रखने पर विचार करें। इस से बच्चों को भरोसा मिलता है और वह हानि को कम महसूस करते हैं। याद रखें कि बच्चों को माता-पिता और देखभाल करने वालों से पहले के मुकाबले अधिक ध्यान मिलने से लाभ हो सकता है।
- अलग होने के पश्चात हो सकता है कि आप परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रहें और आप की रिहायश बच्चे के रात भर ठहरने के लिए ठीक न हो। आप के सवारी के साधन, यात्रा पर खर्च और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपलब्ध होना ऐसे अन्य प्रमुख मुद्दे हैं जो संपर्क कितना संभव है, तय करते हैं। संपर्क संभव हो और परिवार खर्च को कैसे बर्दाश्त कर सकेगा, साझे लालन-पालन के अंग हैं।

- आप की लालन-पालन की योजना बच्चों के लाभ के लिए होनी चाहिए, न कि माता-पिता के बीच समय का कैसे बंटवारा होगा। यदि आप बच्चों की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं तो उन्हें ऐसा लग सकता है कि वे कोई सामान हैं जिसे एक घर से दूसरे घर में ले जाया जाता है।
- आप के बच्चों की इच्छाओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। बड़ी आयु के बच्चों के मित्र होते हैं जिन्हें वे बनाए रखना चाहते हैं और अन्य रुचियां भी जो उन के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। वे संपर्क की ऐसी योजनाओं को पसंद करेंगे जो उन की सामाजिक गतिविधियों के लिए संवेदनशील हैं।
- बच्चे अलग अलग समय पर समझदार होते हैं इस लिए यह आशा न करें कि उन्हीं कि आयु के अन्य बच्चों के लिए जो व्यवस्था की गई है, आप के बच्चों के लिए भी ठीक रहेगी; कुछ बच्चे आत्म-विश्वस्त और स्वतंत्र होते हैं, अन्य शर्मीले और चिपकू होते हैं। छोटे बच्चों को अधिक भरोसा दिलाने की आवश्यकता होगी क्योंकि उन की साधारणतया जानी-पहचानी जगह से जाना उन्हें दुखी कर सकता है। छोटे बच्चे कम समय के और बार बार किए जाने वाले संपर्क को अधिक आसानी से स्वीकार करते हैं; बड़े बच्चों को लंबे समय के, कभी कभी के संपर्क अधिक पसंद आते हैं।
- लचकदार रहें और संपर्क योजना में समय समय पर परिवर्तन करें। जैसे जैसे बच्चे बड़े होते हैं उन की, और आप की भी, आवश्यकताओं और परिस्थितियों में परिवर्तन आते हैं।
- यदि हिंसा, शराब या नशीले पदार्थों का सेवन होता है या परिवार में मानसिक रोग हैं तो बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए संपर्क योजना में इन बातों पर ध्यान देना होगा। संपर्क से लाभ उठाने के लिए बच्चों का सुरक्षित होना और सुरक्षा को महसूस करना जरूरी है। कभी ऐसा भी होता है कि संपर्क के कारण बच्चे को संभावित लाभ से अधिक हानि का जोखिम हो सकता है और यही बेहतर होगा कि इसे न होने दिया जाए या संपर्क वहां हो जहां बच्चे को और संभवतः माता-पिता को जोखिम कम से कम है।

अलग होने पर 90% परिवार अपने संपर्क की व्यवस्था अदालत में जाए बिना स्वयं ही तैयार करते हैं और इस तरह योजना बनाने से संपर्क के सफल होने की संभावना सर्वाधिक होती है। यदि आप सहमत नहीं हो सकते हैं तो व्यावसायिक सहायता लेने का विचार बेहतर रहेगा। अदालत में जाने से पहले आप को *mediation (बिचोल्गी)* पर विचार करना चाहिए जो कि आप के अपने फैसले लेने में सहायता देने के लिए प्रशिक्षित बिचोलों की गोपनीय सेवा है (देखें 'परामर्श और सहायता' पृष्ठ 27)। सरकारी पुस्तिका *Parenting Plans* भी उपयोगी हो सकती है (छपने योग्य प्रति www.cafcass.gov.uk के *Information* भाग से उतारी जा सकती है)।

क्या संपर्क सदा ही बच्चों के लिए अच्छा होता है?

अच्छा संपर्क बच्चों का यह जानना संभव बनाता है कि वे मुल्यवान हैं और उन की परिवार द्वारा देखभाल की जाती है, और इस से उन्हें प्रसन्नता व सफलता से जीवन बिताने में सहायता मिलती है।

जब बच्चों को हानि का जोखिम होता है या संपर्क की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती तो उन का जीवन बिताना बहुत मुश्किल और दुःखद हो सकता है और उन को इस से हानि पहुंच सकती है।

परिवार के टूटने पर बच्चे बेहतरीन हालत में हो सकते हैं यदि:

- माता-पिता के बीच विवाद नहीं है और यदि कोई विवाद होता भी है तो बच्चे उस से निपटना सीखते हैं
- दोनो माता वा पिता की ओर से और देखभाल करने वालों की ओर से सजीव, सकारात्मक और अधिकारपूर्ण देखभाल की जाती है
- माता या पिता या अन्य देखभाल करने वाले एक दूसरे की सहायता करते हैं और बच्चों के सामने एक दूसरे की आलोचना नहीं करते हैं
- माता-पिता व्यवस्था के बारे में बच्चों से परामर्श लेते हैं
- बच्चे विस्तृत परिवार के सदस्यों के साथ अपने महत्वपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं
- बच्चे वित्तीय सुरक्षा के वातावरण में जीते हैं।

बहुत से माता-पिता को परिवार के टूटने पर इन बातों पर पूरा उतरना मुश्किल लगता है, परंतु बच्चों के लाभ के लिए समय के साथ इन पर पूरा उतरने का उद्देश्य होना चाहिए।

अदालत जाने वाले परिवारों में 10% ऐसे होते हैं जिन की गंभीर और जारी समस्याएं होती हैं। पारिवारिक जीवन की गुणवत्ता जो होनी चाहिए, उस से कम होती है। इन परिवारों में से आधे में बच्चों का अपने उस माता या पिता से मिलन नहीं होता जिस के साथ वह रहते नहीं हैं। परिवारों में से आधे उच्च स्तर की मनोवैज्ञानिक परेशानी रिपोर्ट करते हैं। विवाद के समाधान से इन परिवारों में से अनेक को सहायता मिलती है।

एक बार जब अच्छा संपर्क काम करने लगे तो रुझान उस के चलते रहने का होता है, फिर भी उसे जारी रखने के लिए और सुचारु रूप से चलते रहने के लिए कुछ ध्यान देने की आवश्यकता रहती है। जब संपर्क अच्छा नहीं होता तो सदा ही समस्याएं, विशेष कर बच्चों के लिए, होती हैं। हमारा लक्ष्य अच्छे संपर्क को शुरू करने की संभावनाओं में सुधार लाने का और उसे चलते रहने देने का है।

जब संपर्क काम नहीं करता

अनेक परिवारों से बातचीत करके अनुसंधान कर्ताओं ने इन बातों की पहचान की है जो संपर्क को काम करने से रोकती हैं⁸:

- व्यवस्था में बच्चों और/या अन्य को शारीरिक या मनोवैज्ञानिक हानि पहुंचने के जोखिम का जारी रहना निहित है
- परिवार के सभी सदस्य संपर्क व्यवस्था के चलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं
- परिवार का कम से कम एक सदस्य मौजूद व्यवस्था में विशेष परिवर्तन चाहता है – इस तरह संपर्क एक नकारात्मक अनुभव हो सकता है और इस में कुछ या अधिक शामिल लोग विवादग्रस्त हो सकते हैं।

⁸ L Trinder, M Beek, J Connolly (2002) “Making Contact: How parents and children negotiate and experience contact after divorce” (2002), Joseph Rowntree Foundation

जब संपर्क सफल नहीं होता तो इस से बच्चों को हानि हो सकती है और इस के बारे में कुछ एक महत्वपूर्ण बातें हो सकती हैं:

संपर्क का अनुचित विरोध

यह बच्चों के लिए हानिकारक होता है जब रिहायशी माता (या पिता) किसी उचित कारण के बिना संपर्क का विरोध करता है (व्यावसायिक इसे 'कठोर शत्रुता' कहते हैं)। ऐसी परिस्थिति में बच्चे की रिहायश को बदल कर दूसरे साथी (माता या पिता) के साथ करना ही बेहतर हो सकता है।

माता-पिता में विवाद

परिवार के टूटने के दौरान यह साधारण बात है कि गुस्सा आए या भवनाओं को ठेस पहुंचे। नाराज़गी लोगों के दुखित भावनाओं से जूझने में सहायक हो सकती है कि लोग एक सौमा पर परिवार के टूटने का सामना करने के लिए तैयार हो जाते हैं, इस स्थिति में नाराज़गी अच्छी रहती है। परंतु ध्यान रहे, कि जब बच्चे माता-पिता की आपसी लड़ाई देखते हैं या इसे उन से छिपाने की कोशिश की जाती है तो वे भांप लेते हैं कि उन के माता-पिता कैसा महसूस कर रहे हैं और इस से वे परेशान हो जाएंगे और अपने संपर्क का आनंद नहीं उठा सकेंगे। यदि गुस्सा आता रहता है और सदा बना रहता है और बच्चों को भी शामिल कर लेता है तो यह बहुत ही हानिकारक और परेशान करने वाला हो सकता है और बच्चों को मनोवैज्ञानिक रूप में नुकसान पहुंचा सकता है।

“अनुसंधान से यह संदेश लगातार मिलता है कि बच्चे माता-पिता के अलग हो जाने के मुकाबले उन के सदा के तीव्र विवाद से अधिक प्रभावित होते हैं...”⁹

किसी भी प्रकार का दुराचार

बच्चों में से तकलीफ़देह बड़ी गिनती उन के परिवार के किसी सदस्य के हाथों यौन, शारीरिक या भावनात्मक दुराचार का शिकार हो सकती है। अलग हुए माता-पिता और बच्चे जिन के लिए कल्याण रिपोर्ट तैयार की गई, उन से किए इंटरव्यू से पता चलता है कि 78% मामलों में माता-पिता में से एक या दोनों को भय रहता है और 56% को शारीरिक हिंसा का शिकार होना पड़ा था¹⁰। National Association of Probation Officers द्वारा रिपोर्टों के सर्वेक्षण से भी कुछ ऐसे ही परिणाम सामने आए थे¹¹।

परिवार में किसी भी प्रकार के दुराचार से बच्चों की हानि होती है। 1994 में किए गए एक अध्ययन में इन कम-समय के प्रभावों को सूचिबद्ध किया गया जो हिंसा के साक्षी बच्चों पर पड़े थे: वे भयभीत हो गए, अपने आप में सिमट गए, चिताग्रस्त हुए, आक्रामक हो गए, असमंजस में पड़ गए, उन की नींद खराब हो गई, उन्हें स्कूल में कठिनाई होने लगी, मित्र बनाने में समस्या होने लगी। दीर्घ-कालिक रूप में युवाओं को हिंसा स्पष्ट याद रह सकती है जिस के कारण उन का आत्म-विश्वास और उन के सामाजिक कौशल खराब हो सकते हैं, आत्म-सम्मान में कमी, आक्रामक व्यवहार, उदासी और धमकाए जाने की स्थिति हो सकती है¹²। इसी को मान्यता देते हुए Children Act (बाल ऐक्ट) 1989 में हानि की परिभाषा में अब यह शामिल है:

“...अन्य के साथ दुर्व्यवहार को देखने या सुनने के फलस्वरूप हुआ विकार।”¹³

⁹ C Lucey, C Sturge, L Fellow-Smith, P Reder: “What contact arrangements are best for a child?” from “Studies in the Assessment of Parenting” (2003) ed.: P Reder, S Duncan, C Lucey, Brunner-Routledge

¹⁰ A Buchanan, J Hunt, Bretherton H and Bream V (2001) “Families in Conflict, Perspectives of Children on the Family Court Welfare Service”, Nuffield Foundation, Policy Press

¹¹ NAPO (2002) “Contact, Separation and the Work of Family Court Staff”, a briefing from NAPO the Trade Union and Professional Association for Family Court and Probation Staff

¹² NCH Action for Children “The Hidden Victims: Children and Domestic Violence” (1994). London

¹³ Section 120 of the Adoption and Children Act 2002

यदि परिवार में हिंसा या दुराचार की घटना हुई है तो इस का स्वतः यह मतलब नहीं निकलता कि बच्चों का हिंसक या दुराचारी व्यक्ति के साथ संपर्क नहीं होना चाहिए। परंतु इस का यह मतलब अवश्य निकलता है कि उन के जोखिम का व्यावसायिक द्वारा निर्धारण किया जाना चाहिए। यदि संपर्क बच्चे के बेहतरीन हितों के लिए ठीक रहता है तो योजना में उसे बनाते समय बच्चे की सुरक्षा और जोखिम से बचाव के तरीकों को शामिल किया जाना चाहिए।

बाल संपर्क केंद्र

बाल संपर्क केंद्र सहायक रह सकते हैं जब सुरक्षा का मामला हो या माता-पिता और देखभाल करने वालों के बीच भरोसे और विश्वसनीयता का विकास करना हो। यह तब भी सहायक होते हैं जब परिवारों को अन्य योजना बनाने के लिए या आपसी संबंधों के विकास के लिए कुछ समय की आवश्यकता हो। केंद्र अक्सर कम समय के लिए उपयोग किए जाते हैं।

दो प्रकार के हैं: 'सहायता प्राप्त' केंद्र जब बच्चों को हानि का जोखिम न हो या नहीं बराबर हो; और संपर्क के लिए 'निगरानी में' केंद्र जब जोखिम काफ़ी हो सकता हो। निगरानी में केंद्रों में साधारणतया योग्य सोशल वर्कर होते हैं और हर एक मुलाकात की वैयक्तिक रूप से निगरानी की जाती है।

आप देखेंगे कि केंद्र का स्टाफ़ समझदार और सहायक है, परंतु यदि आप किसी बाल संपर्क केंद्र का उपयोग करते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप को पता है कि वह "सहायता प्राप्त" या "निगरानी में" तरह की सेवा देता है और यह कि आप के बच्चे को वैसी सुविधा मिलेगी जैसी कि उसे चाहिए। यदि संभव हो तो संपर्क शुरू करने से पहले एक बार परिचय के लिए वहां जाएं।

जहां तक संभव होता है, परिवार के अंदर ही संपर्क किया जाना बेहतरीन रहता है। बाल संपर्क केंद्र साधारणतया कम समय के लिए उपलब्ध होते हैं और कई बार उपयोग के लिए आरामदेह नहीं होते। उन का अनुपयुक्त उपयोग बच्चों के लिए अच्छा नहीं होता।

में बच्चों से क्या कहूं?

यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने बच्चों को बताएं कि आप कैसी व्यवस्था के बारे में विचार कर रहे हैं। बच्चे साधारणतया चाहते हैं कि उन से परामर्श किया जाए और उन पर वयस्कों के फैसलों का दायित्व डाले बिना उन्हें पारिवारिक व्यवस्था के बारे में फैसलों में शामिल किया जाए क्योंकि ये उन के जीवन को प्रभावित करते हैं।

याद रखें कि बच्चों के लिए आज यह बताना काफी कठिन हो सकता है कि वे क्या चाहते हैं, क्योंकि वे अपने माता-पिता में से किसी को भी आहत नहीं करना चाहते। यह आप के लिए उन की सुनना कुछ वैसा ही ज़रूरी है जैसे कि आप के लिए उन से बात करना ज़रूरी है।

“हम बच्चों से तलाक के बारे सचमुच ही बहुत कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कि हम उन्हें सुरक्षा के ज़रूरतमंद नुकसान हुए सामान की तरह समझना मुलतवी कर दें।”¹⁴

आप के बच्चों को अपने विचार और अपनी भावनाएं समझाना मुश्किल हो सकता है, इस लिए उन से बात करते समय संवेदन और अपनेपन के रास्ते को अपनाना चाहिए। यदि वे अपने विचार व्यक्त करना चाहते हैं तो आप को उन्हें बोलने की स्वतंत्रता देनी चाहिए, और उन के प्रश्नों को ध्यान से सुन कर उन के उत्तर दें। यह सिर्फ उन से बात करना भर नहीं है, यह उन की सुनने से भी संबंधित है।

कुछ एक ऐसी गलतियां हैं जिन के बारे में बच्चों से बात करते समय चेतन्य रहना चाहिए। जब वे माता या पिता के बारे आलोचनात्मक हैं तो यह समझ लिया जाता है कि दूसरे व्यक्ति ने उन्हें प्रभावित किया होगा; ज़रूरी नहीं कि यह सच हो। आप को बच्चों के विचारों को अपने विचारों के रंग में डाल कर तोड़ना मरोड़ना नहीं चाहिए या न ही उन के लिए ज़रूरत से अधिक संरक्षात्मक बनना चाहिए। सदा ही उन के स्तर के अनुसार समझ और समझदारी के लिए उन की प्रशंसा करने की कोशिश करनी चाहिए।

¹⁴ L. Trinder, M Beek, J Connolly (2002) “Making Contact: How parents and children negotiate and experience contact after divorce” (2002), Joseph Rowntree Foundation

इन बातों पर ध्यान दें:

- बच्चे परिवार के टूटने को ले कर परेशान और चिंतित हैं
- माता-पिता के अलग होने के पश्चात उन से या देखभाल करने वाले से कम देखभाल प्राप्त करने से बच्चे परेशान होते हैं
- जब बच्चों को जीवन में कोई समस्या पड़ती है तो वे अपने माता-पिता और देखभाल करने वाले का रुख करते हैं। परिवार के टूटने पर, उन की समस्या यथार्थ में उन के माता-पिता की पैदा की हुई होती है जो अपने आप में मगन होते हैं और जिन्हें बच्चों की आवश्यकताओं को समझने और उन्हें पूरा करने में मुश्किल हो रही होती है
- माता पिता अलग होने से पहले बच्चों से क्या कहें, इसे ले कर असमंजस में रहते हैं और अक्सर उन्हें कुछ भी नहीं बताते या बच्चों को भरोसा हो सके, उस से कम बताते हैं
- बच्चों को भविष्य की अनिश्चितता के कारण चिंता हो सकती है। उन्हें बताना कि क्या हो सकता है और उन से विचार-विमर्श करना माता-पिता की देखभाल करने और सहायक की भूमिका के लिए जरूरी अंश हैं।

आप के बच्चे संभवतः बातचीत में खुलापन और ईमानदारी चाहते हैं परंतु उन्हें संपर्क को लेकर विवाद के प्रभावों से दूर ही रखें। ब्योरा जरूर दें, भरोसा दिलाएं और अपने बच्चों से विचार विमर्श करें, परंतु उन्हें ऐसा न लगने दें कि किसी भी फैसले की जिम्मेदारी उन की है। उन की नहीं है – यह आप की जिम्मेदारी है!

अपने बच्चों के साथ उन्हें नौजवान समझ कर बर्ताव करें जिन के अपने तर्कसंगत विचार हैं। वे जैसा महसूस करते हैं उसे जानने में माहिर हैं, यह और बात है कि वे आप से अलग तरीके से सोचते हैं। उन के पास दो या अधिक परिवारों में बंट कर लालन-पालन की समस्याओं के बारे में समाधान हो सकते हैं। माता-पिता, CAFCASS, व्यावसायिकों और अदालतों को उन की इच्छाओं और भावनाओं को समझदारी से सुनना चाहिए।

जब अदालत हमारे व्यावसायिकों में से एक को संपर्क का निर्धारण करने या किसी परिवार के साथ काम करने के लिए कहती है तो वह संबंधित बच्चों से मिलेगा। यदि वे काफ़ी आयु और समझदारी के हैं तो उन के साथ संपर्क के बारे में चर्चा संवेदन के साथ की जाएगी और यदि वे बताना चाहते हैं तो उन के विचार सुने जाएंगे। तब व्यावसायिक इन विचारों को अदालत को पेश करेगा और उपयुक्त टिप्पणी और पमार्श देगा।

“मेरा यह फैसला करने में सहायता करें कि मैं किस के साथ रहूँ”
“आप की सहायता और उदारता के लिए धन्यवाद। मेरे विचार में इन से मम्मी और डैडी को बहुत मदद मिलेगी।”

बच्चों से CAFCASS को प्राप्त वापसी जानकारी।

परामर्श और सहायता

Action for Prisoners' Families (कैदियों के परिवारों के लिए ऐक्शन)

कैदियों के परिवारों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाए, इसे प्रोत्साहित करती है हैल्पलाइन उन परिवारों को सहायता और जानकारी देती है जिन के कोई सदस्य कैद में हैं। संपर्क बनाए रखना और मुलाकात के लिए जाना, बच्चों से बात करना और जेल प्रणाली कैसे काम करती है, के बारे में परामर्श

वैबसाइट: www.prisonersfamilies.org.uk
Helpline: 0808 8082003

ChildLine (चाइल्डलाइन)

यूके के युवा लोगों और बच्चों के लिए निःशुल्क हैल्पलाइन।

वैबसाइट: www.childline.org.uk
हैल्पलाइन: 0800 1111

Children and Family Court Advisory and Support Service (CAFCASS) (बाल और परिवार अदालतों की परामर्श और सहायता सेवा – CAFCASS)

इंग्लैंड के लिए एक वैधानिक संस्था। परिवार अदालतों की सुनवाई में बच्चों के कल्याण की सुरक्षा करती है। वैबसाइट बच्चों, युवा वर्ग, माता-पिता और दफ्तरी संपर्क ब्योरे की जानकारी देती है।

वैबसाइट: www.cafcass.gov.uk
टेलिफोन: 020 7510 7000
ईमेल: webenquiries@cafcass.gov.uk

Child Support Agency (CSA) (बाल सहायता एजेंसी – सीऐसए)

बच्चों के लिए गुजारे का निर्धारण करने, उसे वसूल करने और अदा करने और उसे लागू करने के लिए जिम्मेदार।

वैबसाइट: www.csa.gov.uk
टेलिफोन: 08457 133 133

Families Need Fathers (परिवारों को पिता चाहिए)

परिवार टूटने से संबद्ध मुद्दों पर जानकारी और सहायता। स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं का नैटवर्क है और स्थानीय बैठकें नियमित रूप से होती हैं।

वैबसाइट: www.fnf.org.uk
हैल्पलाइन: 0870 7607 496

Gingerbread (जिंजरबोर्ड)

इंग्लैंड और वेल्ज में अकेली माता या अकेले पिता वाले परिवारों को सहायता देने वाली प्रमुख संस्था।

वैबसाइट: www.gingerbread.org.uk
पमार्श लाइम: 0800 018 4318

Grandparents' Federation (ग्रैंड-पेअरेंट्स फ़ैडरेशन)

उन दादा-दादी नाना-नानी की ओर से काम करती है जिन का तलाक़, अलहदगी या पारिवारिक समस्याओं के कारण संपर्क टूट गया है, जो पोते-पोतियों नातियों-नातिनों की देखभाल कर रहे हैं, या जो अपने पोते-पोतियों नातियों-नातिनों के बारे में चिंतित हैं जिन की देखभाल स्थानीय अथॉरिटी करती है।

वैबसाइट: www.solicitorhelp.com/grandparentefederation1.htm
परामर्श लाइन: 01279 444 964

The Law Society Children Panel (दी ला सोसाइटी चिल्ड्रन पैनल)

बच्चों के प्रतिनिधित्व में तजर्बेकार वकीलों और परिवार के झगड़ों से संबद्ध सुनवाई में लिस बच्चों, युवा वर्ग और अन्य पक्षधरों के बीच संपर्क साधने में सहायता देना।

वैबसाइट: www.lawsociety.org.uk
टेलिफ़ोन: 0870 606 6575

NCH (एनसीएच)

500 से अधिक प्रोजेक्टों के साथ बच्चों के लिए सेवाएं प्रदान करना। उन की वैबसाइट पर अनेक प्रकार के मुद्दों पर जानकारी और परामर्श। और 'It's not your fault' (यह आप का दोष नहीं) वैबसाइट जिस में परिवार टूटने से प्रभावित माता-पिता के लिए व्यावहारिक बातें हैं।

वैबसाइट: www.nch.org.uk
It's not your fault: www.itsnotyourfault.org

National Society for the Prevention of Cruelty to Children (NSPCC) (बच्चों पर क्रूरता की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय सोसाइटी)

यूके की प्रमुख परोपकारी संस्था जिस की विशेषता बच्चों की सुरक्षा और बच्चों पर क्रूरता रोकना है। हैल्पलाइन हर किसी को जो बच्चे की सुरक्षा के लिए चिंतित है, जानकारी परामर्श और काउंसिलिंग देती है।

वैबसाइट: www.nspcc.org.uk
बाल सुरक्षा हैल्पलाइन: 0808 800 5000

One Parent Families (वन पेअरेंट फ़ैमिलीज़)

अकेली माता या अकेले पिता वाले परिवारों को हितलाभ, टैक्स, कानूनी अधिकार, परिवार कानून, संपर्क के मुद्दों, सीएसए से संबद्ध जानकारी।

वैबसाइट: www.oneparentfamilies.org.uk
हैल्पलाइन: 0800 018 5026

Parentline Plus (पेअरेंटलाइन प्लस)

अनेक प्रकार की सेवाओं के माध्यम से माता-पिता और परिवारों को सहायता और जानकारी।

वैबसाइट: www.parentlineplus.org.uk
हैल्पलाइन: 0808 800 22 22

Relate (रिलेट)

टेलिफोन और वैबसाइट के माध्यम से परामर्श, वर्कशाप, बिचोलगी संबंधों के बारे काउंसिलिंग और आमने-सामने सहायता, काउंसिलिंग देती है।

मुलाकात का समय तय करने के लिए लाइन **0845 1 30 40 16**

वैबसाइट: www.relate.org.uk

reunite (रियूनाइट)

उन माता-पिता और परिवारों को परामर्श, सहायता और जानकारी देती है जिन कि बच्चे अगवा किए गए हैं या जिन्हें अगवा किए जाने का भय है।

वैबसाइट: www.reunite.org

परामर्श लाइन: **0116 2556 234**

Women's Aid (विमन्ज एड)

दुराचार की शिकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अभियान चलाती है। घर में भावनात्मक, शारीरिक या यौन उत्पीड़न क शिकार स्त्रियों को सहायता देती है।

PO Box 391

Bristol

BS99 7WS.

टेलिफोन (प्रबंधकीय): **0117 944 4411**

वैबसाइट: www.womensaid.org.uk

हैल्पलाइन: **0808 2000 247**

बच्चों और युवा लोगों के लिए वैबसाइट: www.thehideout.org.uk

अन्य सहायक संस्थाएं

Children's Rights Alliance for England (CRAE) (इंग्लैंड के लिए बाल अधिकार संगठन)

275 स्वैच्छिक और वैधानिक संस्थाओं का गठबंधन, इंग्लैंड में बच्चों के जीवन और स्तर में परिवर्तन लाने के लिए और Convention on the Rights of the Child तथा अन्य मानव अधिकार प्रपत्रों पर पूरी तरह से अमल किए जाने के लिए अभियान चलाती है। बच्चों को समाज के पूरे और समान सदस्य मान कर सम्मान दिलाने के लिए काम करती है।

वैबसाइट www.crae.org.uk
टेलिफोन 020 7278 8222

Fathers Direct (फ़ादर डाइरेक्ट)

पितृत्व के बारे में जानकारी का राष्ट्रीय केंद्र। पिताओं और उन के परिवारों की सहायता के लिए समाचार, प्रशिक्षण जानकारी, नीतियों पर ताज़ा जानकारी, अनुसंधान रिपोर्टों के खुलासे और गाइडें।

वैबसाइट www.fathersdirect.com
टेलिफोन 0845 634 1328

National Association of Child Contact Centres (नैशनल एसोसिएशन ऑफ़ चाइल्ड कॉन्टैक्ट सेंटर)

बाल संपर्क केंद्रों के राष्ट्रीय नैटवर्क में सुरक्षित बाल संपर्क को प्रोत्साहित करती है, केंद्र जहां, जब अन्य कोई सुविधा न हो तो, अलग हुए परिवारों के बच्चे एक या दोनों माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समय बिता सकते हैं।

वैबसाइट www.naccc.org.uk
टेलिफोन 0845 4500 280

National Family Mediation (नैशनल फ़ैमिली मिडिएशन)

इंग्लैंड और वेल्ज़ में 60 से अधिक पारिवारिक बिचोलगी सेवाओं का नैटवर्क जो जोड़ों की अलग होने और तलाक़ की कार्रवाई में सहायता करता है। वैबसाइट पर बिचोलगी की व्याख्या और स्थानीय सेवाओं का ब्योरा दिया है।

वैबसाइट www.nfm.u-net.com
टेलिफोन 01392 271 610

Resolution (formerly Solicitors Family Law Association) (रिज़ोल्यूशन, पहले परिवार क़ानून के वकीलों की एसोसिएशन)

वकीलों की एसोसिएशन जो परिवार क़ानून में महारत रखती है और परिवार के टूटने पर संवेदनशील सकारात्मक रास्ता अपनाती है। स्थानीय वकील सदस्यों के बारे में परामर्श दे सकती है।

वैबसाइट www.resolution.org.uk
टेलिफोन 01689 820 272